



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 599]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 30, 2016/भाद्र 8, 1938

No. 599]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 30, 2016/BHADRA 8, 1938

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 2016

**सा. का. नि. 833 (अ).—**कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसमें केंद्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा-5 के उप-धारा (2) के खंड (एवी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वायुयान नियम, 1937 में और संशोधन करने का प्रस्ताव करती है, जिसे उक्त अधिनियम की धारा-14 की अपेक्षानुसार ऐसे व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियों को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराए जाने की तारीख से तीस दिन की अवधि के पश्चात् उक्त प्रारूप पर विचार किया जाएगा;

उक्त विनिर्दिष्ट अवधि के समाप्त होने से पूर्व उक्त प्रारूप नियमों के बाबत यदि कोई व्यक्ति आक्षेप या सुझाव देना चाहे तो उसे सचिव नागर विमानन मंत्रालय, राजीव गाँधी भवन, नई दिल्ली -110003 को भेजे;

उक्त विनिर्दिष्ट अवधि के समाप्त होने से पूर्व उक्त प्रारूप नियमों के बाबत यदि कोई व्यक्ति से प्राप्त आक्षेप या सुझाव पर केंद्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

**प्रारूप नियम**

1.(क) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (.....संशोधन) नियम, 2016 है।

(ख) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वायुयान नियम, 1937 में, नियम 88क के पश्चात्, निम्नलिखित को अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:-

**"88ख क्षेत्रीय हवाई संपर्कता फंड.**-केंद्रीय सरकार क्षेत्रीय हवाई संपर्कता को बढ़ावा देने या उससे संबंधित किसी अन्य प्रयोजन के लिए वायुयान प्रचालकों को अन्तराल व्यवहार्यतानिधियन प्रदान करने के प्रयोजन से क्षेत्रीय हवाई संपर्कता निधि की स्थापना कर सकेगी और उक्त निधि का प्रबंध और उपयोग केंद्रीय सरकार द्वारा यथा विनिर्दिष्ट रीति से किया जाएगा।

**88ग क्षेत्रीय हवाई संपर्कता लेवी-**क्षेत्रीय हवाई संपर्कता निधि के निधियन के लिए केंद्रीय सरकार भारत के भीतर प्रचालित हो रही अनुसूचित उड़ानों पर ऐसे दर से लेवी उद्ग्रहीत कर सकेगी जिसे केंद्रीय सरकार अनुसूचित उड़ानों के लिए प्रयुक्त विमान की सीटिंग क्षमता और ऐसे मार्ग जिन पर ऐसी उड़ानें प्रचालित हैं, के संबंध में अधिसूचना जारी कर सकेगी।

(2) हिताधिकारी राज्य सरकारों द्वारा क्षेत्रीय हवाई संपर्कता निधि में उस रीति और अनुपात में भी अंशदान किया जा सकेगा, जो केंद्रीय सरकार विनिर्दिष्ट करे।

(3) क्षेत्रीय हवाई संपर्कता निधि में अंशदान किसी अन्य स्रोत जो केन्द्रीय सरकार विनिर्दिष्ट करे, से क्रेडिट आगम के द्वारा भी किया जा सकेगा।

**स्पष्टीकरण.** नियम 88ख और 88ग के प्रयोजनों के लिए, “क्षेत्रीय हवाई संपर्कता” की अभिव्यक्ति भारत में दो हवाई अड्डों के बीच विमान परिवहन सेवा के प्रचालन से अभिप्रेत है जिसमें से कम से कम एक हवाई अड्डे को केन्द्रीय सरकार द्वारा असेवित या कम सेवित घोषित किया गया हो।”

[फा.सं. एवी.11011/08/2016-ए]

अरूण कुमार, संयुक्त सचिव

**टिप्पणः**—मूल नियम तारीख 23 मार्च, 1937 की अधिसूचना सं. वी-26 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन तारीख 04 मई, 2016 को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड3, उप-खंड (i) में प्रकाशित सा.का.नि 494 (अ) द्वारा 10 मई, 2016 को किए गए।

## MINISTRY OF CIVIL AVIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 26th August, 2016

**G.S.R. 833 (E).**— Whereas the following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by clause (ab) of sub-section (2) of section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required by section 14 of the said Act, for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration after a period of thirty days from the date on which copies of the Gazetted notification is made available to the public;

And whereas any person interested in making any objections or suggestions with respect to the said rules, may forward the same, within the period so specified, to the Secretary, Ministry of Civil Aviation, Rajiv Gandhi Bhawan, Safdarjung Airport, New Delhi-110003;

And whereas any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the aforesaid period shall be considered by the Central Government.

### Draft rules

1. (a) These rules may be called the Aircraft (.....Amendment) Rules, 2016.  
(b) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. In the Aircraft Rules, 1937, after rule 88A, the following shall be inserted, namely:—

**“88B. Regional Air Connectivity Fund.**— The Central Government may establish the Regional Air Connectivity Fund for the purpose of providing viability gap funding to aircraft operators to promote regional air connectivity, or for any other purpose connected therewith, and the said fund shall be administered and utilised in the manner as may be specified by the Central Government.

**88C. Regional Air Connectivity Levy.**— In order to fund the Regional Air Connectivity Fund, the Central Government may impose a levy on scheduled flights being operated within India at such rates as the Central Government may notify having regard to the seating capacity of the aircraft used for the scheduled flights and the routes on which such flights are operated.

(2) Contributions to the Regional Air Connectivity Fund may also be made by the beneficiary State Governments in the manner and proportion as may be specified by the Central Government.

(3) Contribution to the Regional Air Connectivity Fund may also be made by crediting proceeds from any other source as may be specified by the Central Government.

**Explanation.** For the purposes of rules 88B and 88C, the expression “Regional Air Connectivity” shall mean operation of an air transport service between any two airports in India of which at least one has been declared by the Central Government as unserved or under-served.”.

[F.No. AV.11011/08/2016-A]

ARUN KUMAR, Jt. Secy.

**Note:**—The principal rules were published in the Gazette of India, vide notification number V-26, dated the 23rd March, 1937 and last amended vide GSR 494 (E) dated 04th May, 2016, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (i) dated the 10th May, 2016.